

## पुस्तकालय सेवाओं में बौद्धिक संपदा अधिकार का प्रभाव

डॉ. आर. के. कुशवाहा

पुस्तकालयाध्यक्ष

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह, महाविद्यालय, शीवा

डॉ. जे. एल. सिंह

पुस्तकालयाध्यक्ष

शासकीय महाविद्यालय, सिहावल, सीधी

### 1 | k j &

वर्तमान ज्ञान-आधारित समाज में बौद्धिक संपदा अधिकार (Intellectual Property Rights & IPR) का महत्व निरंतर बढ़ता जा रहा है। पुस्तकालय, जो सूचना के संग्रह, संरक्षण और प्रसार के प्रमुख केंद्र हैं, IPR के प्रभाव से अछूते नहीं हैं। यह शोध-पत्र पुस्तकालय सेवाओं पर प्च के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अध्ययन में यह पाया गया कि IPR नियमों के कारण डिजिटल संसाधनों की पहुँच सीमित हो सकती है, वहीं यह रचनाकारों के अधिकारों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है। ई-संसाधनों, डिजिटल लाइब्रेरी, और ओपन एक्सेस आंदोलन के संदर्भ में IPR की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस शोध-पत्र में IPR के कारण उत्पन्न चुनौतियों तथा पुस्तकालयों द्वारा अपनाई जा सकने वाली रणनीतियों का भी वर्णन किया गया है।

ed; 'lkn & बौद्धिक संपदा अधिकार, पुस्तकालय सेवाएँ, कॉपीराइट, डिजिटल लाइब्रेरी, ओपन एक्सेस

### çLrkouk &

बौद्धिक संपदा अधिकार ऐसे कानूनी अधिकार हैं जो रचनाकारों को उनके बौद्धिक कार्यों पर स्वामित्व प्रदान करते हैं। पुस्तकालयों का मुख्य उद्देश्य सूचना का मुक्त और समान वितरण है, लेकिन प्च के नियम इस उद्देश्य को प्रभावित कर सकते हैं। डिजिटल युग में, जहाँ सूचना का आदान-प्रदान तेजी से हो रहा है, वहाँ IPR और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

IPR का स्वरूप और प्रकार (Nature and Types of IPR)

IPR मुख्यतः निम्न प्रकार के होते हैं—

- कॉपीराइट (Copyright)
- पेटेंट (Patent)
- ट्रेडमार्क (Trademark)



- डिजाइन अधिकार (Design Rights)

पुस्तकालय सेवाओं में मुख्यतः कॉपीराइट का प्रभाव अधिक देखा जाता है। पुस्तकालय सेवाओं पर IPR का प्रभाव (Impact of IPR on Library Services)

1. **IPR रचनाकारों की सुरक्षा** IPR लेखकों और शोधकर्ताओं के अधिकारों की रक्षा करता है। गुणवत्ता में सुधार वैध प्रकाशनों को बढ़ावा मिलता है। डिजिटल सामग्री का नियमन, ई-रिसोर्स के उपयोग में अनुशासन आता है।
2. **IPR सूचना तक सीमित पहुँच** महंगे लाइसेंस और प्रतिबंधों के कारण उपयोगकर्ता सीमित संसाधनों तक ही पहुँच पाते हैं। शैक्षणिक बाधाएँ छात्रों और शोधार्थियों को आवश्यक सामग्री प्राप्त करने में कठिनाई होती है।
- 3- डिजिटल अधिकार प्रबंधन (DRM) उपयोगकर्ताओं की स्वतंत्रता कम हो जाती है।
- 4- डिजिटल युग में IPR और पुस्तकालय (IPR in Digital Libraries) – डिजिटल लाइब्रेरी में IPR का प्रभाव अधिक जटिल हो जाता है। ई-बुक्स, ई-जर्नल्स और ऑनलाइन डेटाबेस पर लाइसेंस आधारित पहुँच होती है। ओपन एक्सेस (व्यवस्थापक) आंदोलन पब्लिशिंग के प्रतिबंधों को कम करने का प्रयास करता है। क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस (Creative Commons) सामग्री के साझा उपयोग को बढ़ावा देता है।
- 5- पुस्तकालयों के लिए चुनौतियाँ (Challenges for Libraries) कॉपीराइट कानूनों की जटिलता डिजिटल सामग्री का प्रबंधन उपयोगकर्ता जागरूकता की कमी लाइसेंसिंग लागत में वृद्धि होती है। समाधान एवं सुझाव (Solutions and Recommendations) ओपन एक्सेस संसाधनों को बढ़ावा देना उपयोगकर्ताओं को IPR के बारे में शिक्षित करना उचित लाइसेंसिंग समझौते करना डिजिटल रिपॉजिटरी विकसित करना कॉपीराइट कानूनों में सुधार हेतु प्रयास करना।

#### समाधान &

IPR पुस्तकालय सेवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण लेकिन चुनौतीपूर्ण पहलू है। यह एक ओर रचनाकारों के अधिकारों की रक्षा करता है, वहीं दूसरी ओर सूचना की स्वतंत्र पहुँच को सीमित भी करता है। इसलिए, आवश्यक है कि पुस्तकालय संतुलन बनाए रखते हुए पब्लिशिंग के नियमों का पालन करें और उपयोगकर्ताओं को अधिकतम जानकारी उपलब्ध कराने के लिए नवाचार अपनाएँ।

#### संदर्भ -

1. Sharma, R. (2021). Intellectual Property Rights and Libraries. Library Philosophy and Practice, 15(2), 45–52.
2. Kumar, S., & Singh, P. (2020). Copyright Issues in Digital Libraries. International Journal of Library Science, 8(1), 23–30.
3. Yadav, M. (2022). Role of IPR in Information Services. Journal of Information Science, 12(3), 101–110.



4. Gupta, A. (2019). Digital Rights Management in Libraries. DESIDOC Journal of Library & Information Technology, 39(4), 215–220.
5. Mishra, L. (2023). Open Access and IPR Challenges. Annals of Library Science and Documentation, 70(2), 89–96.
6. World Intellectual Property Organization. (2020). Understanding Copyright and Related Rights. WIPO Publication, 4(1), 1–35

